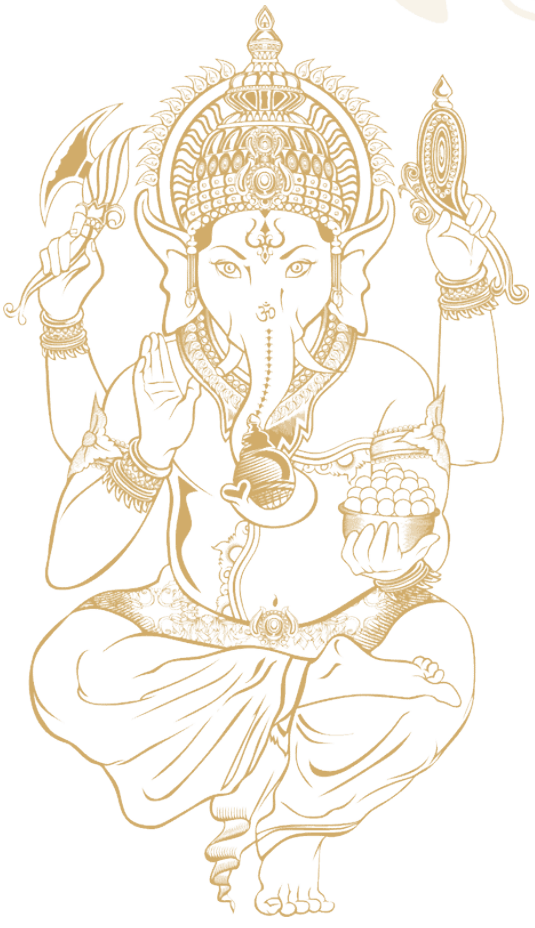

Chi.Nikhil Jaiswani

Ms.Gunjan

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120278903

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/10/1999	जन्म तिथि	8-09/08/2001
शुक्रवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 11:51:00	जन्म समय	04:20:00 घंटे
घटी 14:44:15	जन्म समय(घटी)	56:49:29 घटी
India	देश	India
Bilaspur	स्थान	Katni
22:03:00 उत्तर	अक्षांश	23:47:00 उत्तर
82:12:00 पूर्व	रेखांश	80:29:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:01:12	स्थानिक संस्कार	-00:08:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:57:17	सूर्योदय	05:40:37
17:37:35	सूर्यास्त	18:46:19
23:51:00	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:30

विंशोत्तरी केतु 6वर्ष 0मा 7दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शनि 3वर्ष 9मा 17दि
सूर्य	16:08:12	धनु	लग्न	कर्क	04:02:49	केतु
22/10/2025	27:36:12	कन्या	सूर्य	कर्क	22:33:39	27/05/2022
23/10/2031	01:51:47	धनु	चंद्र	मीन	14:00:05	27/05/2029
सूर्य 09/02/2026	04:51:12	धनु	मंगल	वृश्चि	23:54:55	केतु 23/10/2022
चन्द्र 11/08/2026	20:04:08	तुला	बुध	कर्क	25:50:59	शुक्र 23/12/2023
मंगल 17/12/2026	07:13:18	मेष व	गुरु	मिथु	11:50:18	सूर्य 29/04/2024
राहु 10/11/2027	12:08:58	सिंह	शुक्र	मिथु	14:42:36	चन्द्र 28/11/2024
गुरु 28/08/2028	21:34:13	मेष व	शनि	वृष	19:00:58	मंगल 26/04/2025
शनि 10/08/2029	16:01:28	कर्क व	राहु व	मिथु	11:39:03	राहु 15/05/2026
बुध 17/06/2030	16:01:28	मक व	केतु व	धनु	11:39:03	गुरु 21/04/2027
केतु 23/10/2030	19:02:21	मक व	हर्ष व	मक	29:14:59	शनि 30/05/2028
शुक्र 23/10/2031	07:44:16	मक	नेप व	मक	13:15:01	बुध 27/05/2029
	14:45:34	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:43:22	

लग्न-चलित

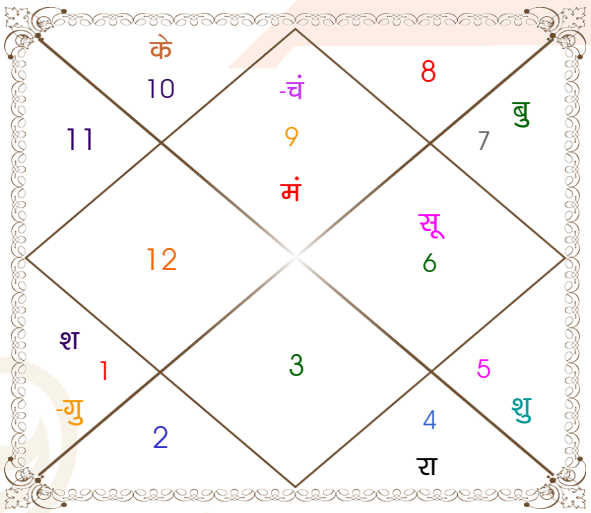

लग्न-चलित

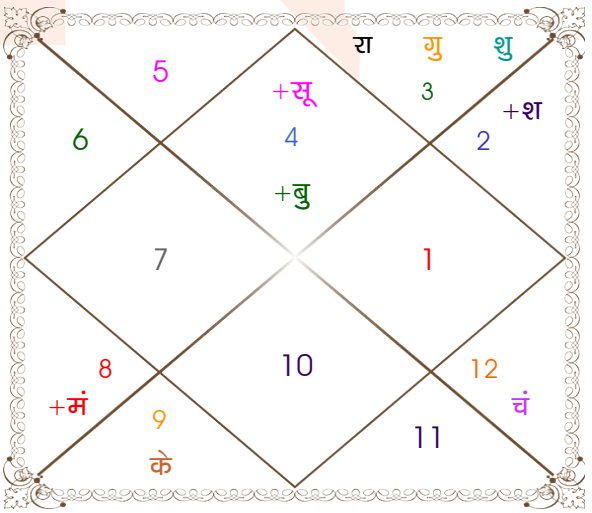

PT.AMITABH SHARMA
SHREEDEO PANCHANG JYOTISH KARYALAYA NAYAPARA RAIPUR, CHHATTISGARH 402001
94244 10023, 62632 74669
ammupatni66@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Chi.Nikhil Jaiswani का वर्ग मृग है तथा Ms.Gunjan का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गो में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Chi.Nikhil Jaiswani और Ms.Gunjan का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Chi.Nikhil Jaiswani मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Chi.Nikhil Jaiswani कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Gunjan मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.Gunjan कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Chi.Nikhil Jaiswani तथा Ms.Gunjan में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

PT.AMITABH SHARMA
SHREEDEO PANCHANG JYOTISH KARYALAYA NAYAPARA RAIPUR, CHHATTISGARH 402001
94244 10023, 62632 74669
ammupatni66@gmail.com